No. of Printed Pages : 12 **MTT–031**

P. G. CERTIFICATE IN TRANSLATION AND ADAPTATION (PGCAR)

Term-End Examination

December, 2024

MTT-031 : VARIOUS DIMENSIONS OF TRANSLATION AND ADAPTATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt any* ***three*** *questions from Q. No.* ***1*** *to* ***6****. Question No.* ***7*** *and* ***8*** *are compulsory. Answer long-answered questions (****1*** *to* ***6****) in about* ***700*** *words each and short notes in about* ***350*** *words each. All questions carry equal marks.*

---

1. Discuss major types of translation.

2. Examine the challenges of translation at various levels.

3. Discuss the emerging issues in the area of translation.

4. Illuminate the importance and relevance of adaptation.

5. Discuss adaptation as a form of intermedial translation.

6. Give a detailed account of Copyright.

7. Write short notes on any *two* (**350** words each) of the following :

   (a) Broader perspective of translation

   (b) Audio adaptation of text

   (c) Visibility of the translator

   (d) Expected properties for an adaptor

8. (a) Translate any ***one*** of the following passages into Hindi :

   The Chakrata is a small hill station roughly midway between Shimla and Mussoorie. During my youth, before the road became motorable, I would trek from one hill station to the other, sometimes alone, sometimes in company. It would take me about five days to cover the distance. I was a leisurely walker. You couldn't enjoy a hike if you felt you had to catch a train at the end of it.

   At Chakrata, there was an old forest rest house where I would sometimes spend the

night. Don't go looking for it now. It has fallen into disuse and been replaced by a new building closer to the town.

Towards sunset, late that summer, I trudged up to the rest house and called out for the chowkidar. I forgot his name. He was a grizzled old man, uncommunicative. If you told him you had just been chased by a bear, he would simply nod and say, "You'd better rest, then. You must be tired." Nothing about the bear !

OR

The two people Bruno missed most of all from home were Grandfather and Grandmother. They lived together in a small flat near the fruit, and vegetable stalls, and around the time that Bruno moved, Grandfather was almost seventy-three years old which, as far as Bruno was concerned, made him just about the oldest man in the world. One afternoon Bruno had calculated that if he lived his entire life over and over again eight times, he would still be a year younger than Grandfather.

Grandfather had spent his entire life running a restaurant in the center of town,

and one of his employees was the father of Bruno's friend Martin who worked there as a chef. Although Grandfather no longer cooked or waited on tables in the restaurant himself, he spent most of his days there, sitting at the bar in the afternoon talking to the customers, eating his meals there in the evening and staying until closing time, laughing with his friends.

(b) Translate any ***one*** of the following passages into English :

मैं लौट आया। आकर मैंने बहुत-सी मजबूत रस्सियाँ और लोहे की छड़ें लाने को कहा। जल्दी ही मेरे लिए सारा सामान इकट्ठा किया गया। रस्सियों के नाम पर वे मजबूत डोरियाँ ले आए और लोहे की छड़ों की जगह बुनाई की सलाइयाँ। उनके देश में इससे मोटी रस्सी नहीं थी और न सलाइयों से मोटी छड़ें ही थीं।

मैंने डोरी को तिहरा कर अच्छी तरह बंट लिया ताकि वह मजबूत हो जाए। इसी तरह मैंने तीन-तीन सलाइयों को भी आपस में लपेटकर मजबूत बना लिया और उनके सिरे मोड़ दिए।

इसके बाद मैंने पचास रस्सियों में इन सलाइयों को कंटिया की तरह बाँध लिया।

इस तरह तैयार होकर मैं दुश्मन के जहाज पकड़ने निकला। जूते और मोजे उतारकर मैं खाड़ी में आगे बढ़ गया। बीच में पानी की धारा काफी तेज थी। लेकिन चूँकि उसकी गहराई छः फुट से ज्यादा नहीं थी, इसलिए मैं थोड़ी-सी मेहनत के बाद ही उस पार पहुँच गया। मुझे देखकर शत्रु के सिपाही घबराकर चीखने लगे।

मुझे अपनी ओर आते देखकर सारे सिपाही जहाजों से कूद पड़े और किनारे की ओर भागने लगे। उनकी तादाद कम-से-कम तीस हजार होगी। लेकिन आगे बढ़ने की उन्हें हिम्मत नहीं हो रही थी। किनारे पहुँचकर उन्होंने मुझ पर तीरों की वर्षा शुरू कर दी।

अथवा

बस इतना सुनना था कि महराज जी बिगड़ उठे। बोले-क्यों जी मैं तुम्हारा नौकर हूँ ? मैं तो कृष्ण कन्हैया के दरबार का चाकर हूँ। मैं चला। बस फिर क्या था रईस महोदय महराज जी के पैरों पर गिर पड़े। माफी माँगने लगे। कलेक्टर साहब ने भी महराज जी को काफी समझाया। पर महराज जी

जो उखड़े सो उखड़े। बहुत कहने-सुनने पर बैठ गए और गाना तो गाया पर वहाँ नाचे कभी नहीं।

इसके अलावा एक घटना और महराज जी के विषय में याद आ रही है। हुक्कू बाजपेयी एक मेरे साथी हुआ करते थे। महराज जी के भी परिचितों में से थे। गणेशगंज मुहल्ले के दबंग किस्म के लोगों में से थे। महराज जी का गंगा मेमोरियल हाल में नृत्य हो रहा था।

महराज जी ने टुकड़ा लगाया। हुक्कू ने तारीफ करते हुए कुछ जरूरत से ज्यादा वाह ! वाह ! कर डाली। बस तुरन्त महराज जी ने कहा बस हुक्कू बस बहुत तारीफ न करो। इधर आकर चुपचाप बैठ जाओ। मुझे नहीं मालूम था कि तुम्हारा कथक में भी दखल है।

MTT–031

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र

(पी. जी. सी. ए. आर.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.टी.टी.-031 : अनुवाद एवं रूपांतरण के विविध आयाम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या 1 से 6 तक किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 7 और 8 अनिवार्य हैं। दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों (प्रश्न 1 से 6) तक के उत्तर लगभग 700 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए तथा संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 350 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. अनुवाद के प्रमुख प्रकारों की चर्चा कीजिए।

2. विविध स्तरों पर अनुवाद की चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

3. अनुवाद के क्षेत्र में उभरते मुद्दों की चर्चा कीजिए।

4. रूपांतरण के महत्व एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

5. अंतरमाध्यम अनुवाद के एक प्रकार के रूप में रूपांतरण की चर्चा कीजिए।

6. प्रतिलिप्यधिकार का विस्तृत विवरण दीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **350** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) अनुवाद का व्यापक संदर्भ

   (ख) पाठ का श्रव्य रूपांतरण

   (ग) अनुवादक की दृश्यता

   (घ) रूपांतरकर्ता के लिए अपेक्षित गुण

8. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए :

   The Chakrata is a small hill station roughly midway between Shimla and Mussoorie. During my youth, before the road became motorable, I would trek from one hill station to the other, sometimes alone, sometimes in company. It would take me about five days to cover the

distance. I was a leisurely walker. You couldn't enjoy a hike if you felt you had to catch a train at the end of it.

At Chakrata, there was an old forest rest house where I would sometimes spend the night. Don’t go looking for it now. It has fallen into disuse and been replaced by a new building closer to the town.

Towards sunset, late that summer, I trudged up to the rest house and called out for the chowkidar. I forgot his name. He was a grizzled old man, uncommunicative. If you told him you had just been chased by a bear, he would simply nod and say, “You’d better rest, then. You must be tired.” Nothing about the bear !

OR

The two people Bruno missed most of all from home were Grandfather and Grandmother. They lived together in a small flat near the fruit, and vegetable stalls, and around the time that Bruno moved, Grandfather was almost seventy-three years old which, as far as Bruno was concerned, made him just about the oldest man in the world. One afternoon

Bruno had calculated that if he lived his entire life over and over again eight times, he would still be a year younger than Grandfather.

Grandfather had spent his entire life running a restaurant in the center of town, and one of his employees was the father of Bruno's friend Martin who worked there as a chef. Although Grandfather no longer cooked or waited on tables in the restaurant himself, he spent most of his days there, sitting at the bar in the afternoon talking to the customers, eating his meals there in the evening and staying until closing time, laughing with his friends.

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

मैं लौट आया। आकर मैंने बहुत-सी मजबूत रस्सियाँ और लोहे की छड़ें लाने को कहा। जल्दी ही मेरे लिए सारा सामान इकट्ठा किया गया। रस्सियों के नाम पर वे मजबूत डोरियाँ ले आए और लोहे की छड़ों की जगह बुनाई की सलाइयाँ। उनके देश में इससे मोटी रस्सी नहीं थी और न सलाइयों से मोटी छड़ें ही थीं।

मैंने डोरी को तिहरा कर अच्छी तरह बंट लिया ताकि वह मजबूत हो जाए। इसी तरह मैंने तीन-तीन सलाइयों को भी आपस में लपेटकर मजबूत बना लिया और उनके सिरे मोड़ दिए। इसके बाद मैंने पचास रस्सियों में इन सलाइयों को कंटिया की तरह बाँध लिया।

इस तरह तैयार होकर मैं दुश्मन के जहाज पकड़ने निकला। जूते और मोजे उतारकर मैं खाड़ी में आगे बढ़ गया। बीच में पानी की धारा काफी तेज थी। लेकिन चूँकि उसकी गहराई छः फुट से ज्यादा नहीं थी, इसलिए मैं थोड़ी-सी मेहनत के बाद ही उस पार पहुँच गया। मुझे देखकर शत्रु के सिपाही घबराकर चीखने लगे।

मुझे अपनी ओर आते देखकर सारे सिपाही जहाजों से कूद पड़े और किनारे की ओर भागने लगे। उनकी तादाद कम-से-कम तीस हजार होगी। लेकिन आगे बढ़ने की उन्हें हिम्मत नहीं हो रही थी। किनारे पहुँचकर उन्होंने मुझ पर तीरों की वर्षा शुरू कर दी।

अथवा

बस इतना सुनना था कि महराज जी बिगड़ उठे। बोले-क्यों जी मैं तुम्हारा नौकर हूँ ? मैं तो कृष्ण

कन्हैया के दरबार का चाकर हूँ। मैं चला। बस फिर क्या था रईस महोदय महराज जी के पैरों पर गिर पड़े। माफी माँगने लगे। कलेक्टर साहब ने भी महराज जी को काफी समझाया। पर महराज जी जो उखड़े सो उखड़े। बहुत कहने–सुनने पर बैठ गए और गाना तो गाया पर वहाँ नाचे कभी नहीं।

इसके अलावा एक घटना और महराज जी के विषय में याद आ रही है। हुक्कू बाजपेयी एक मेरे साथी हुआ करते थे। महराज जी के भी परिचितों में से थे। गणेशगंज मुहल्ले के दबंग किस्म के लोगों में से थे। महराज जी का गंगा मेमोरियल हाल में नृत्य हो रहा था।

महराज जी ने टुकड़ा लगाया। हुक्कू ने तारीफ करते हुए कुछ जरूरत से ज्यादा वाह ! वाह ! कर डाली। बस तुरन्त महराज जी ने कहा बस हुक्कू बस बहुत तारीफ न करो। इधर आकर चुपचाप बैठ जाओ। मुझे नहीं मालूम था कि तुम्हारा कथक में भी दखल है।

× × × × × × ×